CAREER MIRROR

करिअर मिरर

RNI: RJBIL/2013/54049

■ सामान्य ज्ञान ■ करंट अफेयर्स ■ रोजगार समाचार ■ अन्तरराष्ट्रीय घटनाऐं ■ आलेख ■ भाषा ज्ञान ■ व्यक्ति परिचय ■ कैम्पस दर्पण

newsdesk@CareerMirror.co.in

कोटपूतली–बहरोड़, राजस्थान से प्रकाशित

ALWAR, RAJASTHAN | THURSDAY, 05 March, 2026

Special Edition

CAMPUS DARPAN 2026
KOTPUTLI-BEHROR
CAREER SUMMIT 2026 -1
EDUCATION FAIR - 2026
17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

EXCELLENCE THROUGH FAITH & COMMITMENT
RPS IS BEHROR

RPS
RAO PAHLAD SINGH
INTERNATIONAL SCHOOL, KOTPUTLI - BEHROR
Under the aegis of RPS Education Society, M/Garh

28 YEARS Excellence in Education

Where Dreams come True

JEE(MAIN)Session-1 2026

World Class Hostel
For Boys & Girls (Fully AC)

TANMAY YADAV
S/O Mr. HOSHIYAR SINGH YADAV
99.59 %ile

NISHANT S/O Mr. SUBE SINGH YADAV — 98.68 %ile
DEEPIKA D/O Mr. BRANDER KUMAR YADAV — 98.11 %ile
ONISH YADAV S/O Mr. RANVEER SINGH YADAV — 97.91 %ile
NITIN YADAV S/O Mr. SATYAPRAKASH YADAV — 97.74 %ile
BHAVESH S/O Mr. SANDEEP — 97.05 %ile
NAVYA GURJAR D/O SUMER SINGH GURJAR — 96.80 %ile

KARMVEER S/O Mr. DASRATH — 96.67 %ile
NAMAN S/O Mr. SANDEEP KUMAR YADAV — 95.80 %ile
SHASWAT RAO S/O Mr. SANJAY KUMAR — 91.49 %ile
JATIN SHARMA S/O Mr. KRISHAN DUTT — 91.06 %ile
AVNISH YADAV S/O Mr. AJAY SINGH YADAV — 90.41 %ile
RAUNAK LAMBA S/O Mr. PARVESH LAMBA — 90.37 %ile

SCHOLARSHIP Cum ADMISSION TEST
2026 15th MARCH at 10:30AM SUNDAY
for all Classes
Duration of Exam: 90 Minutes
Type of Exam: - Objective Only

APPLY NOW

The Complete Schooling

CLAT 2025-26
RANK 2 Cat. in Rajasthan
JYOTI D/o Mr. S.S GURJAR

CBSE Board Result Toppers 2025

X TOPPER
DEEPANSHU RAJ D/O Mr. RAVINDRA KUMAR — 97.6 %ile

XII TOPPER
RASHIKA YADAV S/O Mr. DEEPAK KUMAR — 97.2 %ile

IN THE REGION

Kudos to CHAMPIONS

1st POSITION — OJASVI
Junior State Karate-2025
Junior State Karate Championship
Gold Medalist
Qualified For National

2nd POSITION — AADESH
Athletics (Running)
1500m Race
2nd position in all Rajasthan
Silver Medalist

3rd POSITION — VISHAL YADAV
National Karate-2025
Junior National Karate Championship
Bronze Medalist

Special Classes for
IIT NEET
CLAT CA
ICAI CUET
NDA UCEED

RPS INTERNATIONAL SCHOOL, KOTPUTLI - BEHROR Awarded with THE TIMES OF INDIA RANK 2 Time of India School Survey 30 SEP 2025

SUPER ACHIEVEMENTS 2025-26: SHAPING CHAMPIONS WITH A 360° VISION

RESULT AT A GLANCE 2025-26

107 STUDENTS Above 500 Marks NEET Qualifiers
96 STUDENTS JEE Advanced Qualifiers
101+ STUDENTS CLAT Qualifiers
44+ STUDENTS Above 99%ile JEE Main Qualifiers
145 STUDENTS NDA Written Qualifiers
8+ STUDENTS Behror Campus CA Qualifiers
111+ STUDENTS CUET 2025 Qualifiers
435+ STUDENTS 95% & ABOVE Class X
155+ STUDENTS 95% & ABOVE Class XII

9529678004,9602838989
Behror Campus RIICO Industrial Area NH-48, Sotanala, Behror, Rajasthan 301701

पद्म विभूषण से सम्मानित 5 विभूतियां

धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत)(कला) महाराष्ट्र

के टी थॉमस (सार्वजनिक मामले) केरल

एन राजम (कला) उत्तर प्रदेश

पी नारायणन (साहित्य एवं शिक्षा) केरल

वी एस अच्युतानंदन (मरणोपरांत) (सार्वजनिक मामले), केरल

एस के एम मैइलानंदन (सामाजिक कार्य) तमिलनाडु

शतावधानी आर गणेश (कला) कर्नाटक

शिबू सोरेन (मरणोपरांत) (सार्वजनिक मामले) झारखंड

उदय कोटक (व्यापार और उद्योग) महाराष्ट्र

वी. के. मल्होत्रा (मरणोपरांत) (सार्वजनिक मामले) दिल्ली

वेल्लापल्ली नटेसन (सार्वजनिक मामले) केरल

विजय अमृतराज (खेल) संयुक्त राज्य अमेरिका

पद्मश्री 113

पद्म सम्मान 2026

पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा

पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा

पद्म श्री विशिष्ट सेवा

कला	44 (2 पद्म विभूषण, 4 पद्म भूषण, 38 पद्म श्री)
साहित्य एवं शिक्षा	18 (1 पद्म विभूषण, 17 पद्म श्री)
मेडिसिन	15 (2 पद्म भूषण, 13 पद्म श्री)
पब्लिक अफेयर्स	7 (2 पद्म विभूषण, 4 पद्म भूषण, 1 पद्म श्री)
समाज सेवा	13 (1 पद्म विभूषण, 12 पद्म श्री)
खेल	9 (1 पद्म भूषण, 8 पद्म श्री)
व्यापार एवं उद्योग	4 (1 पद्म भूषण, 3 पद्म श्री)
सिविल साइंस	2 पद्म श्री
साइंस एंड इंजीनियरिंग	11 पद्म श्री
अन्य	8 पद्म श्री
कुल	131

पद्म पुरस्कारों की महत्ता कुछ यूं समझें

- भारत सरकार ने 1954 में दो नागरिक पुरस्कार-भारत रत्न और पद्म विभूषण की शुरुआत की थी। पद्म विभूषण पुरस्कार में तीन श्रेणियां थीं, पहला वर्ग, दूसरा वर्ग और तीसरा वर्ग। 8 जनवरी, 1955 को राष्ट्रपति की तरफ से जारी अधिसूचना से इनका नाम बदलकर पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री कर दिया गया।
- यह पुरस्कार प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। इसमें नकद राशि नहीं दी जाती।
- पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक सनद (प्रमाण पत्र) और एक पदक प्रदान किया जाता है। पदक की एक छोटी प्रतिकृति भी दी जाती है, जिसे वे किसी भी समारोह के दौरान पहन सकते हैं।
- यह पुरस्कार किसी उपाधि के समान नहीं है। इसका उपयोग पुरस्कार विजेताओं के नाम के प्रत्यय या उपसर्ग के रूप में नहीं किया जा सकता है।

Source: NIS

13 नायकों को पद्म भूषण

अलका याग्निक (कला) - महाराष्ट्र

भगत सिंह कोश्यारी (सार्वजनिक मामले) उत्तराखंड

कल्लीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी (दवा) तमिलनाडु

ममूटी (कला) केरल

डॉ. नोरी दत्तात्रेयुडु (दवा) - संयुक्त राज्य अमेरिका

पीयूष पांडे (मरणोपरांत) (कला) महाराष्ट्र

CAREER MIRROR

करिअर मिरर

RNI: RJBIL/2013/54049

■ सामान्य ज्ञान ■ करंट अफेयर्स ■ रोजगार समाचार ■ अन्तरराष्ट्रीय घटनाऐं ■ आलेख ■ भाषा ज्ञान ■ व्यक्ति परिचय ■ कैम्पस दर्पण

newsdesk@CareerMirror.co.in

कोटपूतली–बहरोड़, राजस्थान से प्रकाशित

ALWAR, RAJASTHAN | THURSDAY 05 March, 2026

Special Edition

CAMPUS DARPAN 2026
KOTPUTLI-BEHROR CAREER SUMMIT & EDUCATION FAIR - 2026
17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

कोटपूतली–बहरोड़ करिअर व शिक्षा मेला 2026

बेहरोड़ अभिभावकों व विद्यार्थियों को शिक्षा और करियर से जुड़ी बेहतर जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **"कैंपस दर्पण 2026"** करिअर व एजुकेशन फेयर का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय शिक्षा मेला **"17, 18 और 19 अप्रेल 2026"** को बेहरोड़ शहर में आयोजित होगा। मेले का समय प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा।

इस एजुकेशन फेयर में स्कूल, कोचिंग संस्थान, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और अन्य शिक्षा से जुड़े संस्थान अपने स्टॉल लगाएंगे। यहां छात्र और उनके अभिभावक सीधे संस्थानों के प्रतिनिधियों से मिलकर कोर्स, प्रवेश प्रक्रिया, फीस, स्कॉलरशिप और करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही एडमीशन भी यही से लिया जा सकेगा शिक्षा मेले के माधयम से एडमीशन लेने पर फीस में विशेष डिस्काउंट भी मिलेगा।

आयोजकों के अनुसार इस मेले में कक्षा 5 से नवोदय सैनिक स्कूल की तैयारी करवाने वाले संस्थानों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है ताकि ग्रामीण नन्हे होनहारों को बचपन से ही सही मार्गदर्शन मिल सके। फॉउन्डेशन कोर्स के लिए सभी विद्यार्थी व अभिभवाक दूर दूर तक की यात्रा कर संस्थानों की जानकारी इक्टा करते हैं ताकि उपयुक्त संस्था का चयन कर दाखिला दिलाया जा सके इसी असुविधा से बचाने के लिए इस शिक्षा मेले का आयोजन किया जा रहा है अब कही भटकने की आवश्यक्ता नहीं है। एक ही स्थान पर सभी संस्थाऐं उपलब्ध रहेंगी। करिअर सम्मिट में कॉलेज के छात्रों तथा बेरोजगार ग्रेजुएट युवाओं'' के लिए विशेष रूप से करियर मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई है। मेले के दौरान छात्रों के लिए विशेष सेशन और वर्कशॉप भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विशेषज्ञ NEET, IIT, पैरामेडिकल, प्रोफेशनल कोर्स, ग्रेजुएशन के बाद करिअर विकल्प और आने वाले नए करिअर अवसरों पर विस्तार से जानकारी देंगे। करिअर सम्मिट लगभग 25 सत्र होंगे जिनमें हर सत्र लगभग 1 से 2 घंटे का होगा। इनमें भाग लेने के लिए पूर्व ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है रजिस्ट्रैशन निशुल्क है।

मेले में प्रवेश के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य होगा। बिना रजिस्ट्रेशन के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पंजीकरण 11 मार्च से ऑनलाइन शुरू होगा। शिक्षा मेले की वेबसाइट www.CampusDarpan.com पर या +91 94611 24365 पर संपर्क कर नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और अपनी सीट सुरक्षित कर सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन करने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 50 किलोमीटर तक विभिन्न रूटों पर आने जाने के लिए नि:शुल्क शटल बस सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह सेवा **खैरथल** – तातारपुर चौराहा – धेलावास – सोडावास – बर्डोद, **बिबिरानी** – हरसोली – मुंडावर, **बानसूर** गूंता, **पावटा** – कोटपूतली, **नांगल चौधरी**– मोरूणड – तसींग, **नारनौल** – मंढाणा – भगवाडी – जखराणा – निमोहर, **अटेली** – कुंड – माजरी – गण्डाला, **शाहजहांपुर** – नीमराना सहित सभी क्षेत्रों से उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थी रूट के बीच से भी बस की सुविधा ले सकते हैं।

कार्यक्रम के अन्य आकर्षणों में विज्ञान व सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता शामिल है, जिसमें छात्र भाग लेकर नकद ईनाम, एडमिशन डिस्काउंट वाउचर और मेले के दौरान संस्थानों द्वारा दिए जाने वाले विशेष एडमिशन ऑफर जीत सकते हैं।

तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में आने वाले छात्रों और अभिभावकों के लिए पूरी तरह एयर-कूल्ड परिसर, कैफेटेरिया और लंच की व्यवस्था भी की जाएगी। यह एजुकेशन फेयर छात्रों के लिए सही करियर चुनने और विभिन्न संस्थानों से सीधे जानकारी प्राप्त करने का बेहतरीन अवसर'' होगा।

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में करिअर

शुरुआती दिनों में, कागज के पन्नों–फाइलों और दस्तावेजों को छोटे–बड़े तालों और चाबी के जरिए बंद करके रखा जाता था।लेकिन इंटरनेट प्रौद्योगिकी के आने के बाद तकनीक ने सब कुछ बदल कर रख दिया, इंटरनेट ने तकनीक के जरिए कभी अकल्पनीय तकनीकी क्षमताओं को साकार किया तो कभी आभासी तकनीक है। दुनिया तेजी से एक आभासी क्षेत्र में बदल रही है, साइबर हमले अब एक आमबात बनते जा रहे हैं। जैसे–जैसे तकनीक हमारे रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। रोजाना, हमारे सामने किसी न किसी तरह के साइबर हमले या डेटा उल्लंघन की खबरें सामने आती हैं। इसने डेटा के साथ छेड़छाड़ या देखते हुए अनुसंधान और विकास के साथ–साथ प्रशिक्षण और मानव संसाधनों की उपलब्धता दोनों के संदर्भ में साइबर सुरक्षा के प्रति नजरिए को बदलने की तत्काल आवश्यकता है। वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर है। इससे वेतनभोगी नौकरियों और फ्रीलांसिंग

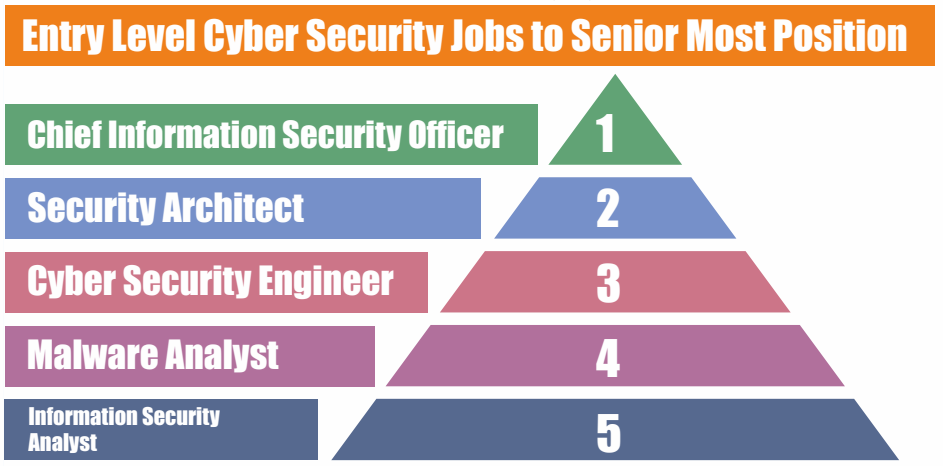

दुनिया में नए आयामों को जोड़ा, लेकिन इसके साथ ही रिवर्स–इंजीनियरिंग, हैकिंग, फिशिंग आदि जैसे अपराध के नए तरीके भी सामने आए। इंटरनेट की दुनिया में अपराधियों पर नकेल कसने की ये मुहिम एक महत्वपूर्ण और नए उद्योग को जन्म दे रही है, जिसका नाम है – साइबर सुरक्षा।

साइबर सुरक्षा क्या है? साइबर सुरक्षा या सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सुरक्षा कंप्यूटर, नेटवर्क, प्रोग्राम और डेटा को अनधिकृत पहुंच या आपराधिक उद्देश्य से किए जाने वाले ऑनलाइन हमलों से बचाने की हेराफेरी से बचाने और साइबर सुरक्षा उल्लंघनों के खतरे से निपटने के लिए पेशेवरों की लगातार बढ़ती मांग को जन्म दिया है। इस प्रकार, डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा या साइबर सुरक्षा किसी भी उद्यम, निजी कंपनी या सरकारों के लिए के लिए एक जरुरत बन गई है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जब न केवल व्यक्ति और व्यवसाय बल्कि सरकारें भी ऑनलाइन घोटाले, रैनसमवेयर, फिशिंग और हैकिंग का शिकार हुई हैं।

साइबर सुरक्षा पेशेवरों की मांग: बढ़ते साइबर खतरे के परिदृश्य को दोनों में साइबर सुरक्षा पेशेवरों की आय में अप्रत्याशित बढोत्तरी हुई है।

एक्सेंचर की ओर प्रकाशित एक रिपोर्ट, जिसका शीर्षक' स्टेट ऑफ साइबर सिक्योरिटी रेजिलिएंस 2021' है, के अनुसार, उद्योगों जगत में और विश्व साइबर हमलों की तादादमें साल–दर–साल 125% की वृद्धि दर्ज की गई है और यह गंभीर चिंता की एक बड़ी वजह बन गया है। 2025 तक, साइबर अपराध की दुनिया से निपटने में सालाना + 10.5 ट्रिलियन की लागत आने की उम्मीद है।

योजना, वास्तुकला में करिअर

वास्तुकला इंजीनियरिंग, (बी आर्क): इस पाठ्यक्रम में विज्ञान, कला और संस्कृति का मिलाजुला स्वरुप है। तेजी से शहरीकरण, औद्योगीकरण और आर्थिक प्रगति के साथ ही ऐसे निजी और सार्वजनिक स्थानों की मांग बढ़ी है, जो कुशल और सौंदर्य के दृष्टिकोण से बेहतर हो। इनमें किफायती और आरामदायक (विलासिता) दोनों हिस्सें (सेगमेंट) शामिल हैं। महामारी से पहले के दौर वाला रियल एस्टेट बूम फिर से लौट आया है और यह देश में वास्तुकला के क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों के लिए अच्छा संकेत है। इसके साथ ही कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग (सीएडी), नए सॉफ्टवेयर प्रोग्राम और भवन निर्माण में नई प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ, वास्तुकार (आर्किटेक्ट) और योजनाकारों के लिए काम और अधिक रोचक और आकर्षक हो गया है। योजना बनाने वाले (नियोजक) आमतौर पर नगरीय और शहरी नियोजन में शामिल होते हैं।

74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ने शहरी स्थानीय निकायों को विकास कार्य करने का अधिकार दिया है, जिसके कारण सभी स्तरों पर योग्य योजनाकारों की आवश्यकता बढ़ गई है। हमारे देश में आजादी के बाद से लगातार शहरीकरण बढ़ रहा है, और हाल के वर्षों में इसमें तेजी आई है है जिसे पेशेवरों योजनाकारों के जरिए उचित तरीके से प्रबंधन किए जाने की आवश्यकता है।

वास्तुकला और योजना में अकादमिक पाठ्यक्रम:वास्तुकला में स्नातक (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) अंतिम सेमेस्टर आमतौर पर थीसिस कार्य के लिए समर्पित होता है। सैद्धांतिक और व्यावहारिक अध्ययन से प्राप्त सभी तरह ज्ञान के आधार पर, छात्र अपनी थीसिस के साथ आने के लिए कुछ खास (विशिष्ट) विषयों (मुद्दों) पर काम करते हैं। पेशेवर अभ्यास/आचरण, मूल्यांकन मध्यस्थता जैसी चीजें भी उभरते वास्तुकारों द्वारा उनके पाठ्यक्रम के समाप्त होने से पहले सीख ली जानी चाहिए।

योजना में स्नातक (बैचलर ऑफ प्लानिंग) (बी प्लान): इस कोर्स में सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र और परिवहन, पर्यावरण, कानून और नीतियां, बुनियादी ढांचे आदि के ज्ञान का मिलाजुला स्वरूप है। बी.प्लान के पाठ्यक्रम में डेटा विश्लेषण, ग्राफिक प्रतिनिधित्व, रिपोर्ट लेखन, तकनीकी ड्राइंग शामिल है।

ष्टाहरी और क्षेत्रीय योजना के मूल तत्व, सर्वेक्षण, नियोजन में सांख्यिकीय और मात्रात्मक तरीके, निर्माण संरचनाएं, सामग्री और निर्माण के सिद्धांत, पड़ोस / संपत्ति / उपयोगिताएँ / सेवाएँ / साइट / परिदृश्य / परिवहन योजना, सीएडी (कंप्यूटर एडेड डिजाइन) अनुप्रयोग, टिकाऊ शहरी प्रबंधन/विकास, अनौपचारिक क्षेत्र का नियोजन प्रबंधन, शहरी संरक्षण, योजना में जीआईएस और भू–सूचना विज्ञान, शहरी प्रशासन, वैश्विक शहरों और विशेष क्षेत्रों के लिए योजना, पर्यावरण और अन्य परियोजनाओं में सार्वजनिक निजी भागीदारी के साथ परियोजना कार्य और इंटर्नशिप पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग हैं।

KOTPUTLI - BEHROR CAREER & EDUCATION FAIR - 2026

CAREER MIRROR

करिअर मिरर

RNI: RJBIL/2013/54049

सामान्य ज्ञान | करंट अफेयर्स | रोजगार समाचार | अंतरराष्ट्रीय घटनाएँ | आलेख | भाषा ज्ञान | व्यक्ति परिचय | कैंपस दर्पण

2026 MARCH - STUDENT STUDY PLANNER

BEHROR EDUCATION FAIR - 2026 **Free Online Registration Start**

✦ SUN	✦ MON	✦ TUE	✦ WED	✦ THU	✦ FRI	✦ SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11 Education Fair Registration Start www.CampusDarpan.com	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25 Education Quiz Registration Start www.CareerMirror.co.in	26	27	28
29	30	31				

FROM 11 March, 2026
www.CampusDarpan.com
+91 94611 24365

All School-Coaching, College From:

KOTPUTLI-BEHROR DISTT.
KHAIRTHAL-TIAJRA DISTT.
NARNAUL, ATELI
NANGAL CHAUDHARY
SIKAR, KOTA
JAIPUR, ALWAR

EDUCATION FAIR 2026

CAREER MIRROR SUMMIT 2026-1

KOTPUTLI BEHROR CAREER SUMMIT & EDUCATION FAIR - 2026

CAMPUS DARPAN 2026

17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

SHCOOL - COACHINGS - COLLEGE - UNIVERSITY

Coaching Institutions for: Navodaya / Sainik / Militry Schools/RIMS
NEET, IIT-JEE, JET, NDA, Residential & Boarding School, Para Medical
Pharmacy Colleges, Journalism & Mass Comm., Fashion Designing
Film & Acting Schools, Sports Academy, Dance & Music Academy.

BOARDING SCHOOL, UNIVERSITY, ABROAD ADMISSIONS

चर्चित देश: वेनेजुएला: एक तेल-आधारित राष्ट्र का उदय और पतन

सऊदी से ज्यादा तेल, फिर भी दाने-दाने को मोहताज वेनेजुएला: कभी दुनिया का चौथा अमीर देश था।

वेनेजुएला एक ऐसे देश की है जिसके पास सऊदी अरब से भी ज्यादा तेल है, लेकिन पिछले एक दशक में उसने अपनी 80% जीडीपी गंवा दी। कभी दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल इस देश ने अपनी दौलत का ऐसा मिसमैनेजमेंट किया कि आज वहां के लोग देश छोड़ रहे हैं। वेनेजुएला जिस पर शनिवार 3 जनवरी को अमेरिका ने हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया है। हजारों किलोमीटर दूर दक्षिण अमेरिका में हो रही इस हलचल का असर भारत में आम आदमी पर भी पड़ सकता है। 1950 के दशक में जब आधी दुनिया दूसरे विश्व युद्ध के नुकसान से उबर रही थी, तब वेनेजुएला की किस्मत जमीन के नीचे से निकलने वाले काले सोने यानी तेल ने बदल दी थी। 1952 में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे अमीर देश बन चुका था। राजधानी काराकस की सड़कों पर उस समय लग्जरी कारें दौड़ती थीं और गगनचुंबी इमारतें खड़ी थीं। 1960 के दशक तक वेनेजुएला सिर्फ तेल बेचने वाला देश नहीं रहा। वेनेजुएला की ही पहल पर सऊदी अरब और ईरान जैसे देशों ने हाथ मिलाया और ओपेक की नींव रखी। 1970 के दशक में जब पूरी दुनिया में तेल संकट आया और कीमतें आसमान छूने लगीं, तो वेनेजुएला के घरों में डॉलर की बारिश होने लगी। उस दौर के किस्से आज भी मशहूर हैं—

- लोग वीकेंड पर शॉपिंग करने के लिए सीधे मियामी उड़कर जाते थे।
- वेनेजुएला दुनिया के सबसे महंगे स्कॉच व्हिस्की और शैंपेन के सबसे बड़े खरीदारों में से एक था।
- जनता को लगने लगा था कि अब मेहनत करने की जरूरत नहीं है। इसकी प्रति व्यक्ति आय स्पेन, ग्रीस और इजराइल जैसे विकसित देशों से भी कहीं ज्यादा थी।
- 1976 में सरकार ने तेल इंडस्ट्री का राष्ट्रीयकरण कर दिया और सरकारी कंपनी PDVSA बनाई। यह दुनिया की सबसे मुनाफे वाली तेल कंपनियों में से एक थी।

दुनिया के सबसे बड़े सिद्ध तेल भंडारों में से एक होने के बावजूद, वेनेजुएला आज आर्थिक पतन, राजनीतिक अस्थिरता और मानवीय संकट का प्रतीक बन चुका है। 1920 के दशक में तेल की खोज ने देश को तेजी से समृद्धि की ओर अग्रसर किया, लेकिन दशकों तक चले कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अत्यधिक तेल-निर्भरता ने इसे एक असफल पेट्रोस्टेट में बदल दिया। वेनेजुएला का अनुभव यह दर्शाता है कि प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, यदि मजबूत संस्थानों और विविध अर्थव्यवस्था के साथ न हो, तो विनाशकारी सिद्ध हो सकती है।

पेट्रोस्टेट क्या होता है? पेट्रोस्टेट ऐसे देश को कहा जाता है जिसकी अर्थव्यवस्था और सरकारी राजस्व मुख्य रूप से तेल और प्राकृतिक गैस के निर्यात पर निर्भर हों। ऐसे देशों की सामान्य विशेषताएँ हैं: सरकारी आय का बड़ा हिस्सा ऊर्जा निर्यात से आना सत्ता और संपत्ति का सीमित अभिजात वर्ग में केंद्रीकरण कमजोर लोकतांत्रिक संस्थाएँ और व्यापक भ्रष्टाचार वेनेजुएला के अलावा रूस, सऊदी अरब, ईरान और नाइजीरिया जैसे देशों को भी अक्सर पेट्रोस्टेट कहा जाता है।

डच रोग और संसाधन अभिशाप: तेल-समृद्ध देशों को जिस आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ता है, उसे डच रोग कहा जाता है। इसमें प्राकृतिक संसाधनों के निर्यात से विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ता है, जिससे स्थानीय मुद्रा मजबूत हो जाती है। परिणामस्वरूप कृषि और विनिर्माण जैसे अन्य क्षेत्र प्रतिस्पर्धा खो देते हैं। इसके साथ ही संसाधन अभिशाप शासन व्यवस्था को भी कमजोर करता है। जब सरकार करों की बजाय तेल आय पर निर्भर होती है, तो नागरिकों के प्रति जवाबदेही घट जाती है। नेता तेल राजस्व का उपयोग विरोध को दबाने, समर्थन खरीदने और सत्ता बनाए रखने के लिए करते हैं।

वेनेजुएला में तेल का इतिहास: 1922 में माराकाइबो बेसिन में तेल की खोज ने वेनेजुएला को वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर ला खड़ा किया। कुछ ही दशकों में तेल देश के कुल निर्यात का 90 प्रतिशत से अधिक बन गया। 1958 के बाद लोकतंत्र की बहाली हुई, लेकिन पुंटो फिजो समझौते के तहत तेल आय राजनीतिक दलों के बीच बाँटी जाने लगी, जिससे राज्य-आधारित तेल निर्भरता और गहरी हो गई। 1976 में तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण हुआ और PDVSA (पेट्रोलेस डी वेनेजुएला) की स्थापना की गई, जिसे शुरुआत में पेशेवर और स्वायत्त ढंग से संचालित किया गया।

उछाल से पतन तक: 1970 के दशक में तेल कीमतों में उछाल ने वेनेजुएला को लैटिन अमेरिका का सबसे समृद्ध देश बना दिया, लेकिन इस अप्रत्याशित लाभ ने भ्रष्टाचार और अपव्यय को जन्म दिया। 1980 के दशक में तेल कीमतों के गिरने से अर्थव्यवस्था चरमरा गई और विदेशी कर्ज बढ़ता चला गया। 1998 में ह्यूगो चावेज के सत्ता में आने के बाद "बोलिवेरियन क्रांति" शुरू हुई। सामाजिक कार्यक्रमों से गरीबी में कुछ कमी आई, लेकिन तेल उद्योग का राजनीतिकरण, PDVSA से अनुभवी कर्मियों की बर्खास्तगी और रियायती तेल कूटनीति ने उत्पादन को नुकसान पहुँचाया।

मादुरो शासन और वर्तमान संकट: चावेज की मृत्यु के बाद निकोलस मादुरो सत्ता में आए। 2014 के बाद वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने संकट को और गहरा कर दिया।

यूनेस्को: संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन, जिसे संक्षेप में यूनेस्को (UNESCO) कहा जाता है, संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेषीकृत एजेंसी है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, कला, विज्ञान और संस्कृति के क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से विश्व शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है। यूनेस्को का मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में स्थित है। इसके 194 सदस्य देश, 12 सह-सदस्य, 53 क्षेत्रीय कार्यालय और 199 राष्ट्रीय आयोग हैं।

यूनेस्को की स्थापना क्यों हुई? यूनेस्को की स्थापना का विचार प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के विनाशकारी अनुभवों से जन्मा। यह महसूस किया गया कि केवल राजनीतिक और सैन्य समझौते ही स्थायी शांति नहीं ला सकते। मानव मस्तिष्क में शांति की नींव रखने के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक सहयोग, सांस्कृतिक समझ और सूचना की स्वतंत्रता आवश्यक है। इसी सोच ने यूनेस्को के गठन का मार्ग प्रशस्त किया।

यूनेस्को की स्थापना कैसे हुई? 21 सितंबर 1921: राष्ट्र संघ (League of Nations) ने बौद्धिक सहयोग के लिए एक आयोग बनाने का प्रस्ताव रखा। **1922:** अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक सहयोग समिति (ICIC) का गठन हुआ, जिसमें अल्बर्ट आइंस्टीन, मैरी क्यूरी जैसे विद्वान शामिल थे। **1924:** पेरिस में अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक सहयोग संस्थान (IIIC) स्थापित हुआ। द्वितीय विश्व युद्ध के कारण इन संस्थाओं का कार्य बाधित हुआ। **1942–1945:** लंदन में कॉन्फ्रेंस ऑफ एलाइड मिनिस्टर्स ऑफ एजुकेशन (CAME) की बैठकें हुईं। **30 अक्टूबर 1943:** मॉस्को घोषणा में एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक-सांस्कृतिक संगठन की आवश्यकता व्यक्त की गई। **1–16 नवंबर 1945:** लंदन में 44 देशों की भागीदारी से सम्मेलन हुआ। 37 देशों ने यूनेस्को के संविधान पर हस्ताक्षर किए। **4 नवंबर 1946:** 20वें देश द्वारा अनुमोदन के साथ यूनेस्को का संविधान लागू हुआ।

प्रारंभिक संगठन और नेतृत्व पहला महासम्मेलन: 19 नवंबर से 10 दिसंबर 1946 पहले महानिदेशक: जूलियन हक्सले 1954: संविधान में संशोधन कर कार्यकारी बोर्ड को सदस्य देशों के सरकारी प्रतिनिधियों से गठित किया गया। यूनेस्को के प्रमुख कार्यक्षेत्र यूनेस्को पाँच प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रों में कार्य करता है: शिक्षा प्राकृतिक विज्ञान सामाजिक एवं मानव विज्ञान संस्कृति संचार एवं सूचना शिक्षा के क्षेत्र में योगदा 1948: नि:शुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा की सिफारिश। 1947: हैती के मार्बियल घाटी में मौलिक शिक्षा परियोजना। 1990: थाईलैंड के जोमटियन में Education for All आंदोलन। 2000: सेनेगल के डकार में विश्व शिक्षा मंच—2015 तक सभी के लिए शिक्षा का लक्ष्य। 1998: उच्च शिक्षा पर विश्व घोषणा—उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर वैश्विक मानक।

संस्कृति और विरासत संरक्षण 1960: नूबिया स्मारकों को बचाने का अंतरराष्ट्रीय अभियान—अबू सिम्बेल मंदिर का स्थानांतरण। 1972: विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर संरक्षण सम्मेलन। 1978: पहली बार विश्व धरोहर सूची प्रकाशित। 2003: अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संरक्षण संधि। 2005: सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की विविधता की सुरक्षा संधि।

विज्ञान और पर्यावरण **1951:** पेरिस बैठक से यूरोपीय परमाणु अनुसंधान परिषद की स्थापना की राह आगे चलकर CERN का गठन। 1948–1966: शुष्क क्षेत्र (Arid Zone) कार्यक्रम। 1968: पर्यावरण और विकास पर पहला अंतर-सरकारी सम्मेलन। मानव और जैवमंडल कार्यक्रम (Man and the Biosphere Programme): सतत विकास को बढ़ावा।

भारत में यूनेस्को का योगदान : यूनेस्को भारत सरकार के सहयोग से शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान और पर्यावरण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य करता है। भारत 1946 से यूनेस्को का सदस्य है। यूनेस्को ने ताजमहल, कुतुब मीनार और अजंता–एलोरा जैसे ऐतिहासिक स्थलों को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाकर उनके संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में यूनेस्को ने साक्षरता अभियान, शिक्षक प्रशिक्षण और नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को तकनीकी सहयोग प्रदान किया है। इसके साथ ही जैवमंडल आरक्षित क्षेत्रों, जल संरक्षण और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में भी यूनेस्को का योगदान सराहनीय है।

नस्लवाद और मानवाधिकार 1950 – 1978: नस्लवाद के विरुद्ध वैज्ञानिक घोषणाएँ और नस्ल एवं नस्लीय पूर्वाग्रह पर घोषणा। दक्षिण अफ्रीका: 1955 में अलगाव नीति के कारण अलग हुआ, 1994 में नेल्सन मंडेला के नेतृत्व में पुन: शामिल। संचार, मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता यूनेस्को के संविधान में "विचारों का मुक्त प्रवाह" मूल सिद्धांत। 1950 के दशक: पत्रकार प्रशिक्षण कार्यक्रम। 1980: मैकब्राइड रिपोर्ट—वैश्विक सूचना संतुलन पर। IPDC% विकासशील देशों में मीडिया विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम। 1993: विंडहोक घोषणा—मीडिया स्वतंत्रता। 3 मई: विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस। यूनेस्को/गिलर्मो कानो विश्व प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार: हर वर्ष 3 मई को।

यूनेस्को केवल एक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं, बल्कि मानवता के साझा भविष्य के लिए शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और सूचना के माध्यम से शांति की नींव रखने का वैश्विक प्रयास है। द्वितीय विश्व युद्ध की त्रासदी से जन्मा यह संगठन आज भी सतत विकास, सांस्कृतिक विविधता, विरासत संरक्षण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए निरंतर कार्यरत है।

बीएचयू: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय भारत का एक प्रमुख केंद्रीय, आवासीय एवं शोध विश्वविद्यालय है, जो उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगर में स्थित है। इसकी स्थापना 1916 में हुई थी। बीएचयू को भारत के सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक विश्वविद्यालयों में गिना जाता है। यह एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय भी माना जाता है। शिक्षा, शोध, संस्कृति, चिकित्सा, विज्ञान और भारतीय परंपरा के संरक्षण में बीएचयू का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

बीएचयू की स्थापना का उद्देश्य: बीएचयू की स्थापना का मूल उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, तकनीकी शिक्षा और भारतीय संस्कृति का समन्वय करना था। इसके संस्थापक पंडित मदन मोहन मालवीय का मानना था कि भारत की गरीबी और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए वैज्ञानिक शिक्षा आवश्यक है, लेकिन वह

शिक्षा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। वे एक ऐसे विश्वविद्यालय की कल्पना करते थे जहाँ शिक्षा, राष्ट्रवाद, नैतिकता और आत्मनिर्भरता एक साथ विकसित हों।

स्थापना का इतिहास: 1898 में एनी बेसेंट द्वारा स्थापित सेंट्रल हिंदू कॉलेज बीएचयू की आधारशिला बना। 1905 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में मालवीय जी ने विश्वविद्यालय की योजना सार्वजनिक की। 1911 में हिंदू यूनिवर्सिटी सोसायटी की स्थापना हुई। 1 अक्टूबर 1915 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय अधिनियम पारित हुआ। 4 फरवरी 1916 (वसंत पंचमी) को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड हार्डिंग ने विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इस प्रकार बीएचयू भारत का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बना, जिसकी स्थापना जन-सहयोग और राष्ट्रीय प्रयासों से हुई।

संस्थापक और सहयोगी: बीएचयू की स्थापना में प्रमुख योगदान रहा: पंडित मदन मोहन मालवीय एनी बेसेंट महाराजा रमेश्वर सिंह प्रभु नारायण सिंह सुंदर लाल भूमि, धन और प्रशासनिक सहयोग से विश्वविद्यालय को आकार मिला।

परिसर (कैम्पस) मुख्य परिसर: बीएचयू का मुख्य परिसर लगभग 1370 एकड़ में फैला हुआ है, जो गंगा नदी के समीप स्थित है। यह परिसर इंडो-गॉथिक स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्य द्वार को सिंह द्वार कहा जाता है। दक्षिण परिसर राजीव गांधी दक्षिण परिसर मिर्जापुर (बरकछा) में स्थित है, जो लगभग 2700 एकड़ में फैला है। यहाँ कृषि विज्ञान केंद्र (Krishi Vigyan Kendra) स्थित है।

शैक्षणिक संरचना: बीएचयू में: 6 संस्थान 14 संकाय लगभग 140 विभाग कला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विधि, प्रबंधन, चिकित्सा विज्ञान, कृषि विज्ञान, पर्यावरण एवं सतत विकास, संगीत एवं प्रदर्शन कला बीएचयू का इंजीनियरिंग संस्थान 2012 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) बना।

छात्र संख्या एवं आवास: कुल छात्र: 30,000+ 48 देशों से अंतरराष्ट्रीय छात्र 66 छात्रावास (लड़के, लड़कियाँ और विदेशी छात्र) यह बीएचयू को एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय बनाता है।

पुस्तकालय एवं संग्रहालय: सायाजी राव गायकवाड़ पुस्तकालय: 13 लाख से अधिक पुस्तकों का संग्रह भारत कला भवन: भारतीय चित्रकला, पुरातत्व, वस्त्र और दुर्लभ कलाकृतियों का विश्वविख्यात संग्रह

चिकित्सा एवं अनुसंधान: सर सुंदरलाल अस्पताल: 900+ बिस्तरों वाला प्रमुख शिक्षण अस्पताल Institute of Medical Sciences (IMS&BHU) को AIIMS के समकक्ष माना जाता है गंगा प्रदूषण, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी और पर्यावरण पर उन्नत शोध

धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान: बीएचयू परिसर के केंद्र में स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर इसकी आध्यात्मिक पहचान है। यह मंदिर ज्ञान, संस्कृति और अध्यात्म के समन्वय का प्रतीक है।

राष्ट्रीय महत्व: बीएचयू संविधान लागू होने से ही राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है भारत सरकार द्वारा Institute of Eminence घोषित BRICS विश्वविद्यालय लीग का सदस्य 2015–16 में शताब्दी समारोह

प्रसिद्ध पूर्व छात्र एवं शिक्षक: बीएचयू ने भारत को अनेक महान व्यक्तित्व दिए: सर्वपल्ली राधाकृष्णन ए. पी. जे. अब्दुल कलाम वैज्ञानिक, प्रशासक, कलाकार और शिक्षाविर्द

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण का जीवंत केंद्र है। आधुनिकता और परंपरा का ऐसा संतुलित उदाहरण भारत में विरल है। बीएचयू आज भी पंडित मदन मोहन मालवीय के सपनों को साकार करते हुए ज्ञान, सेवा और राष्ट्रहित की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

English Language: Improve Word Power

Accessary: person who helps another in a crime : he was charged with being an accessary to murder.

Accessory: sth extra, helpful, useful, but not an essential part of : what are the accessories of a scooter?

Accident: event that happens unexpectedly and causes damage, injury, and so forth:

Incident: event or happening,, often of minor importance: he narrated every trivial incident in great detail.

Admission: entering or being allowed to enter a building, society, club, school, college, and so on :

Admission to the club is restricted to its members only.

admission to university depends on examination results.

how dose one gain admission to a medical college

Admittance: allowing sb or being allowed to enter, especially a private place; right of enter :

Boast: talk about one's own achievements, abilities, etc. with too much pride and satisfaction :

He is always boasting about his brilliant success at college .

He boasted of being the best player in the team.

Boost: increase the strength or value of sth; help or encourage sb/sth: We should boost production.

Note: boost, as a noun, means encouragement; help; increase: there was a boost in sales of clothes.

I gave her confidence a boost

Hapless: unlucky; unfortunate: Who is your hapless hero?

She is hapless but not hopeless.

hopeless: (a) showing lack of hope : I can't bear to see her hopeless tears.

(b) giving no cause for hops: My position is hopeless.

according to the doctors, it a hopeless case.

© very bad or unskilled : I'm hopeless at maths.

Naughty: (a) disobedient; as a noun, means citizen of a particular nation :He is a terribly naughty child.

(b) shocking or intended to shock people through mild indecency: That was your naughty joke. Don't use naughty words. Is that a naughty play.

Knotty: (a) defficult; puzzling :I know how tp solve a knotty problem. Answer to his knotty question.

(b) (of timber) full of knots : It is knotty board.

Natty: (a) smart and tidy; neat: these natty new uniforms are for police-women. Children are fond of natty dress.

(b)clever; well thought out : What is the natty solution to her problem?

English Language: Idioms & Phrases

अन्धों में कांना राजा।

1. A figure among ciphers.
2. In the kingdom of the blind the one-eyed man is king.

अक्ल घास चरने गई।

His senses have taken leave.

अकेली लकड़ी कहां तक जले।

One flower makes no garland.

इंतजाम ऐसा कि परिंदा भी पर ना मार सके।

A foolproof arrangement.

एक ही साधन पर निर्भर करने वाला सदा पछताता है।

Never keep all your eggs in one basket.

सामान्य ज्ञान, न्यूज, करंट अफेयर्स

गोगाबिल झील (बिहार) को मिला रामसर साइट का दर्जा: पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बिहार की गोगाबिल झील को रामसर साइट का दर्जा दिया गया है। यह झील 86.63 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है और बिहार के कटिहार जिले में स्थित है। इस उपलब्धि के साथ ही अब बिहार, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि भारत एशिया में पहले और विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँच गया है। देश में अब रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर 94 हो गई है, जिनमें से पिछले 11 वर्षों में 67 नए स्थल जोड़े गए हैं।

6.38 लाख गांव का सांस्कृतिक मानचित्रण पूरा: मेरा गांव मेरी धरोहर भारत सरकार के राष्ट्रीय मंत्रालय ने देश पर में सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए मेरा गांव मेरी धरोहर कार्यक्रम के तहत 6 लाख 38365 गांव की पहचान की है जिनमें अब तक 6 लाख 23449 गांव का डाटा एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है जिसमें इन गांव की सांस्कृतिक पहचान को दर्ज की जा रही है। इस डॉक्यूमेंट में मुहूर्त और अमूर्त दोनों तरह की सांस्कृतिक विरासत जैसे लोक परंपराएं मान्यताएं रीति रिवाज एशियाई महत्व संस्कृत धरोहर स्थल पारंपरिक भोजन प्रसिद्ध कलाकार में त्योहार पारंपरिक पोशाक आभूषण और स्थानीय पहचान वाले स्थल शामिल है। यह कार्यक्रम में केवल ग्रामीण पहचान को मजबूत बनाता है बल्कि इससे प्रत्येक गांव का एक प्रमाण एक सांस्कृतिक प्रोफाइल तैयार होता है।

लद्दाख से जुड़ी 125 सीमावर्ती बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित: सीमा सड़क संगठन ब्रा की 125 रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं 7 दिसंबर को राष्ट्र समर्पित की गई यह लद्दाख से एक साथ उद्घाटन की गई अब तक की सबसे बड़ी संख्या है 5000 करोड़ की लागत से दो केंद्र शासित प्रदेशों और सात राज्यों में फैली 28 कर के 93 पुल और चार विभिन्न परियोजनाएं पूरी हुई जो बिहार के इतिहास में सबसे अधिक मूल्य की उद्घाटन परियोजनाएं हैं इनमें शामिल लद्दाख की दारबुक - श्योक - दौलत बेग ओल्डी सड़क पर स्थित रणनीतिक श्योक सुरंग को दूधराज गांव के लिए और आगे के सैन्य संगठनों के लिए अंतिम चरण तक की कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

सुजलाम भारत ऐप लॉन्च: ग्रामीण पेयजल शासन को डिजिटल पारदर्शी और उत्तरदाई बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुजलाम भारत अप की शुरुआत की गई सुजलाम भारत सुजलॉन गांव ईद के माध्यम से देश के सभी ग्रामीण जल योजनाएं एक राष्ट्रीय डिजिटल रजिस्ट्री से एकीकृत होगी जिससे स्रोत से लेकर नाल तक पूरी जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध होगी यह ऐप परिसंपत्तियों ऑपरेशन और मेंटेनेंस सेवा प्रदर्शन और प्रभाव की विश्वसनीय एवं वास्तविक समय में डिजिटल निगरानी को सुदृढ़ करेगा।

अटल पेंशन योजना और पीएम विश्वकर्म योजना में रिकॉर्ड संख्या में लाभार्थी: सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने वाली केंद्र सरकार की योजनाओं में लाभार्थियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई अटल पेंशन योजना की शुरुआत 9 में 2015 को की गई जिसमें अक्टूबर 2025 तक 8 करोड़ 34 लाख 13738 लाभार्थी पंजीकृत हो चुके हैं जिनमें करीब 48 फीसदी महिलाएं हैं यह है योजना 18 से 40 वर्ष तक की आयु केवल सभी नागरिकों के लिए उपलब्ध है जिनका बैंक का डाकघर में बचत खाता है योजना के अनुसार भारतीय को 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर पेंशन मिलेगी 2035 से पेंशन का लाभ मिलना शुरू होगा वहीं प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना में 1 दिसंबर 2025 तक 30 लाख भारतीय पूंजी का हो चुके हैं जिनमें 23 लाख 9000 लाभार्थी को प्रशिक्षित किया जा चुका है योजना 17 सितंबर 2023 को शुरू की गई इस योजना के लाभार्थियों घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए व्छक्ब फैबइंडिया मीशो आदि जैसे कई विभिन्न कंबल प्लेटफार्म माध्यम से ऑनलाइन मार्किंग सहायता प्रदान की जा रही है।

आपकी पूंजी आपका अधिकार - विशेष पहल: नया भारत नई सोच: भारतीय बैंकों में 78000 करोड रुपए और बीमा कंपनियों में **14000 करोड रुपए नागरिकों के अनक्लेमड** पड़े हैं। अक्टूबर 2025 में आपकी पूंजी आपका अधिकार यू आर मनी यू आर राइट पहल शुरू की गई थी इसका उद्देश्य सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक अपने अधिकार का अनुसार अपना हक वापस पा सके आखिरकार यह असेट्स अंकित परिवारों की मेहनत से बचाएगी सीमेंस और इन्वेस्टमेंट को दिखाती है। इस प्रकार के अनक्लेमड फंड्स को ट्रैक करने और क्लेम करने की प्रक्रिया को आसान में पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा डेडीकेटेड पोर्टल भी बनाए गए हैं जो इस प्रकार हैं

रिजर्व बैंक (RBI) UDGAM पोर्टल: www.udgam.rbi.org.in.

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि सबसे भारी सैटेलाइट लॉन्च: LVM3 - M 6 का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष में एक बड़ी उपलब्धि है यह एक कमर्शियल मिशन है इस मिशन को भारतीय धरती से लांच किए गए अब तक के सबसे भारी सैटेलाइट अमेरिका के ब्लू बर्ड ब्लॉक 2 संचार उपग्रह को को अर्थ आर्बिट में स्थापित किया गया यह उपग्रह नई पीढ़ी का हिस्सा है यह सीधे सामान्य मोबाइल फोन तक अंतरिक्ष से मोबाइल ब्रॉडबैंड से उपलब्ध करा सकता है।

इस भारतीय प्रक्षेपण ज्ञान का वजन लगभग 640 तन ऊंचाई 43.5 मीटर यह जिओ सिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में 42000 किलोग्राम तक का भर ले जाने में सक्षम है यह एलबीएम 3 की छठी उड़ान रही इससे पहले के मिशनों में LVM 3 चंद्रयान-2 चंद्रयान-3 और वनवेब के दो मिशन को सफल प्रक्षेपित कर चुका है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व: (अटूट आस्था के 1000 वर्ष 1026 से 2026) वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1000 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है सर्दियों में से बार-बार हुए हमले के बावजूद सोमनाथ मंदिर भारतीय रूट भावना के प्रति के रूप में आज भी शान से खड़ा है जनवरी 1026 में सोमनाथ पर पहला आक्रमण हुआ था जिसे 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं और यह बस तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में 1951 में प्रारंभ में सोमनाथ मंदिर के उदाहरण के 75 वर्ष पूर्ण होने का भी साक्षी है इस जनवरी सोमनाथ पर्व का शुभारंभ हुआ।

NH 544G निर्माण में बने चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड : एन एच ए आई ने 6 जनवरी 2026 को आंध्र प्रदेश के पुटपर्थी के पास दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। पहले बिटुमिन कंक्रीट को लगातार बचाने का सबसे लंबा वर्ल्ड रिकॉर्ड था जिसमें 24 घंटे के अंदर 28.9 किलोमीटर या 6 लाइन चौड़े 9.63 किलोमीटर लंबे खंड को कर किया गया दूसरा रिकॉर्ड 24 घंटे में 10655 में ट्रैक्टर बिटुमिनौस कंक्रीट की सबसे अधिक मात्रा को लगातार बचाने के लिए बनाया गया इसी कड़ी में 11 जनवरी 2026 को दो ऑर्गेनाइज्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए इनमें 97500 मेट्रिक टन बिटुमिनौस कंक्रीट पर लगातार बिछाना और 156 लाइन किलोमीटर यह तीन लाइन चौड़े 52 किलोमीटर लंबे क्षेत्र के लगातार पेविंग का रिकॉर्ड शामिल है जिसने बीते विश्व रिकॉर्ड 84.4 लाइन किलोमीटर या दो लाइन चौड़े 42 मिनट 2 किलोमीटर लंबे खंडवा पीछे छोड़ दिया है यह रिकॉर्ड बनाने वाले काम बेंगलुरु कडप्पा विजयवाड़ा आर्थिक गलियारे के पैकेज तीन में किए गए।

ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज अंतर्राष्ट्रीय: ब्रिक्स 2026 (भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स 2026) G20 जैसी प्रभावशाली संस्था हो या वर्ष 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान की अध्यक्षता भारत में पिछले 1 दिसंबर वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई अब इस कड़ी में एक नई उपलब्धि और जुड़ने वाली या भारत वर्ष 2026 में विश्व की अध्यक्षता करने वाला है इसके लिए विदेशी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने ब्रेस्ट 2026 की वेबसाइट थी और लोगों को लांच किया।

दुनिया के लगभग आधी आबादी का प्रदेश नृत्य करने वाले वृक्ष का वैश्विक जीडीपी में 40% का योगदान है भारतीय अध्यक्षता में वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली बेस्ट का थीम लचीलापन नवाचार सहयोग और विकास के लिए निर्माण रखा है बेस्ट 2026 की आधार की वेबसाइट btovd2026.gov.in को विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने 13 जनवरी को लांच किया इस बार सम्मेलन में ग्लोबल साथ की आवाज को और मजबूत रखने पर बात होगी आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस जिम्मेदार इनोवेशन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद है इस दुनिया की 11 प्रमुख भारती अर्थव्यवस्थाओं को एक अंश पर लाता है मूल सदस्य देशों में ब्राजील रूस भारत चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल है नए देश में सऊदी अरब यूएई में ईरान और इंडोनेशिया है।

शांति विधायक 2025: सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट का न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल 2025 यानी शांति बिल पास किया गया जो कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा बनाने में भारत के आत्मविश्वास वैज्ञानिक प्रतियोगिता और जिम्मेदारी को स्पष्ट करता है भारत नेता जीरो एट द रेट 2017 का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है और उसे मजबूती देने के साथ-साथ 2047 तक ऊर्जा की भर्ती मांग की निर्बाध आपूर्ति के लिए सोगी का बाढ़ की परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने पर भी काम कर रहा है यह विधायक इसी कड़ी में मिल का पत्थर है। यह विधेयक परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और परमाणु क्षति के लिए डायरेक्ट अधिनियम 2010 के प्रावधानों को समेकित एवं तर्कसंगत बनता है इससे परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड का को वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है।

संसद का शीतकालीन सत्र - संकल्प से अधिक हुआ कामकाज : संसद के शीतकालीन सत्र में 15 बैठकर हुई लोकसभा और राज्यसभा के लिए जो निर्धारित संकल्प थे उससे अधिक कामकाज लोकसभा में 111 परसेंट और राज्यसभा में 121 परसेंट काम हुआ। 70 के दौरान वीबी -जी राम जी सहित कई महत्वपूर्ण विधायक पेश किए जाने के साथ ही पास भी हुए वहीं राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में संसद के दोनों सदनों में आयोजित की गई विशेष चर्चा।

लोकसभा में जहां 10 विधायक पेश किए गए और उनमें से आठ प्रीती विधेयक पारित किए गए वहीं राज्यसभा में भी आठ अधिक पारित किए गए इस प्रकार संसद के दोनों सदनों द्वारा कुल आठ विधायक पारित किए गए लोकसभा में 70 के दौरान कुल बैठक का समय 92 घंटे और 25 मिनट था।

टीचर: छात्र से: तुमने कभी कोई अच्छा, नेक काम किया है?
छात्र: हाँ सर — कल एक बुजुर्ग धीरे-धीरे अपने घर जा रहे थे। मैंने उनके पीछे कुत्ता लगा दिया। वो बहुत जल्दी घर पहुँच गए!!

शिक्षक: छात्रों, 15 फलों के नाम बताओ!!
छात्र: आम!
शिक्षक: शाबाश! बहुत अच्छे!
छात्र: अमरूद!

शिक्षक: गुड!!
छात्र: सेब!
शिक्षक: वेरी गुड!! तीन हो गए बाकी 12 और बताओ?
छात्र: 1 दर्जन केले!!

शिक्षक: बच्चों, यह बताओ कि भगवान राम वनवास के लिए कितने बजे निकले थे?
छात्र: सर, 9:15 बजे।
शिक्षक: ऐसा कैसे कह सकते हो?

छात्र: सर, "वनवास" को उल्टा करके पढ़िए (सवा नौ)।
शिक्षक उसके बाद राम कथा सुनाना चालू कर देता है।

पागलखाने में बहुत से पागल डांस कर रहे थे।
बस उनमें एक चुपचाप बैठा था।
डॉक्टर ने समझा यह ठीक हो गया है।
इसलिए बड़े प्यार से पूछा आप डांस क्यों नहीं कर रहे हो?

पागल: बेवकूफ, मैं तो दूल्हा हूँ!

कब्रिस्तान के आगे दो व्यक्ति बात कर रहे थे
"कितने आराम से सो रहे हैं ये लोग यहाँ!!"
उतने में एक मुर्दा खड़ा हो गया और बोला —
"क्यों नहीं सोएँगे, जान देकर जगह ली है!!"

अंग्रेजी की कक्षा के दौरान शिक्षक ने देखा कि
एक लड़का उनकी बात पर ध्यान नहीं दे रहा था।
शिक्षक: पप्पू, इन दो वाक्यों को जोड़ो —
मैं साइकिल से स्कूल जा रहा था।
मैंने एक लाश देखी।
पप्पू (कुछ देर सोचने के बाद):
मैंने एक शव को साइकिल से स्कूल जाते देखा।

एक छोटा बच्चा बहुत देर से घर के बाहर खड़ा
दरवाजे की घंटी बजाने की कोशिश कर रहा था।
तो एक बूढ़ा आदमी आया:
बूढ़ा आदमी: क्या कर रहे हो बेटा?
बच्चा: अंकल, यह घंटी बजाना चाहता हूँ।
बूढ़ा आदमी (घंटी बजाकर):
ये लो, बज गई। अब क्या है?
बच्चा: अब भागो!

रोजगार समाचार / Employment NEWS

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में विभिन्न पदों की भर्ती :
अंतिम तिथि: 10 मार्च 2026
योग्यता: दसवीं कक्षा एवं 12वीं कक्षा, खेलकूद कोटा किसी भी कैटेगरी में बी चौंपियनशिप एवं सी चौंपियनशिप ।
आवेदन के लिए वेबसाइट देखें www.nfr.indianrailways.gov.in

भारतीय विमान पत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण में विभिन्न पदों पर भर्ती
अंतिम तिथि: 10मार्च 2026
विस्तृत विवरण आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है ।
आवेदन के लिए वेबसाइट देखें www.aera.gov.in

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान में विभिन्न पदों पर भर्ती
पद का विवरण: वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, टेक्नीशियन, पुस्तकालय सहायक, आर्टिस्ट, फोटोग्राफर स्टेनोग्राफर, सहायक अनुदेशन, टेक्नीशियन, कनिष्ठ सचिव, वीएस सहायक, अस्पताल सहायक, पंचकर्म, नाई ।
योग्यता 10वीं कक्षा से ग्रेजुएशन तक पदों के प्रकार के अनुसार ।
अधिक सूचना के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदनकरें www.nimhans.ac.in

---

नागालैंड विश्वविद्यालय विभिन्न शैक्षिक पदों पर भर्ती के लिए अन्तिम तिथी: 5 अप्रैल 2026 तक आवेदन कर सकते हैं
आधिकारिक वेबसाइट www.nagalanduniversity.ac.in

टाटा मेमोरियल सेंटर पर विभिन्न पदों की भर्ती
पदों का विवरण: सहायक प्राध्यापक, इंटरनेशनल रेडियोलॉजिस्ट, जनरल कंसलटेंट, सूचना प्रौद्योगिकी कर्मी, वैज्ञानिक अधिकारी, अवर्षिनी लिपिक, कुक, नर्सिंग अधिकारी, सहायक नर्सिंग अधिकारी, अटेंडेंट, ट्रेंड हेल्पर, सहायक सुरक्षा अधिकारी, महिला वार्डन, किचन सुपरवाइजर।
अंतिम तिथि 10 मार्च 2026
अधिकारी वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करें www.tmc.gov.in

भारत के महालेखाकार का कार्यालय में 58 पदों की भर्ती
पद विवरण: कार्यकारी अधिकारी जनगणना स्तर 11
वेतनमान 56100 से 15110 तक
अंतिम तिथि 1 अप्रैल 2026 तक
अधिकारी वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करें
www.censusindia.gov.in

सैनिक स्कूल इंफाल मणिपुर में विभिन्न पदों पर भर्ती आयु सीमा 21 से 35 वर्ष
अंतिम तिथि 20 मार्च 2026
आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करें। www.ssimphal.nic.in

---

महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल विभिन्न शैक्षिक पदों पर भर्ती
अंतिम तिथि 12 मार्च 2026
विस्तृत विवरण के लिए आधिकारिक वेबसाइट को देखें www.mhu.ac.in

बालमर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड भारत सरकार में विभिन्न पदों पर भर्ती
आयुष्मान 18 से 32 वर्ष
पद का विवरण उप प्रबंधक यूनिट हेड सहायक प्रबंधक कनिष्ठ अधिकारी कनिष्ठ सहायक प्रबंधक कनिष्ठ लिपिक
अंतिम तिथि 13 मार्च 2026
आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करें
www.balmerawrie.com

मुख्य गुणवत्ता आश्वासन प्रतिष्ठान रक्षा उत्पादन विभाग में विभिन्न पदों पर भर्ती
पदों का विवरण मल्टीटास्किंग स्टाफ लोअर डिवीजन क्लर्क सुपरिंटेंडेंट स्टोर
वेतनमान 18000 से 81 000 आयु सीमा 18 वर्ष से 45 वर्ष
अंतिम तिथि 1 अप्रैल
अधिक विवरण के लिए मार्च प्रथम सप्ताह का रोजगार समाचार देखें

कला क्षेत्र फाउंडेशन संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार में विभिन्न पदों पर रिक्तियां आयु सीमा 18 वर्ष से 56 वर्ष तक
पद का नाम शासनिक अधिकारी मुख्य लेखा अधिकारी अधीक्षक हाउस मदर प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर ट्विटर माध्यमिक स्नातक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक सनथ को उत्तर शिक्षक
अंतिम तिथि 28 मार्च 2026
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें www.kalakshetra.

हैदराबाद विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षिक पदों पर भर्ती अंतिम तिथि डाक द्वारा 10 मार्च 2026
अधिक विवरण के लिए वेबसाइट देखें www.uohyd.ac.in

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान में विभिन्न पदों पर भर्ती
पदों का नाम निदेशक, निजी सचिव, लेखाकार, वरिष्ठ सहायक, अनुसंधान सहयोगी
अंतिम तिथि 28 मार्च 2026
अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट देखें
www.niesbud.nic.in

एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड भारत सरकार में विभिन्न पदों पर भर्ती
पदों का विवरण महाप्रबंधक प्रबंधक उप प्रबंधक सहायक प्रबंधक स्नातक सहायक आईटीसी नेटवर्किंग सिस्टम प्रशासन कनिष्ठ अभियंता सिविल इलेक्ट्रिकल मैकेनिकल आयुष्मान 18 से 28 वर्ष अंतिम तिथि 5 अप्रैल 2026
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें www.nbccindia.in

दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय
विभिन्न गैर-शैक्षिक पदों पर भारती
पद का नाम: सीनियर पर्सनल असिस्टेंट, जूनियर अस्सिटेंट, लाइब्रेरी अटेंडेंट
आयु सीमा 18 से 32 वर्ष अंतिम तिथि आवेदन की अंतिम तिथि 21 मार्च 2026
अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करें
www.dunt.ac.in

मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड में विभिन्न पदों पर भर्ती
अंतिम तिथि: 9 मार्च 2026
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट का प्रयोग करें www.mecl.co.in

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन में विभिन्न पदों पर भर्ती
पद का नाम: वरिष्ठ लेखा अधिकारी ग्रेड सेकंड, प्रशासनिक अधिकारी, स्टोर अधिकारी, लेखा अधिकारी, निजी सचिव
अंतिम तिथि: 28मार्च 2026
अधिक जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट को देखें
www.drdo.gov.in

बहरोड़ में 17-19 अप्रैल 2026
KOTPUTLI BEHROR CAREER SUMMIT & EDUCATION FAIR - 2026
CAMPUS DARPAN 2026
17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

करिअर समिट व शिक्षा मेला - 2026
3 दिवस के लिए सभी प्रमुख शिक्षण संस्थान एक छत के नीचे
कोटपूतली - बहरोड़ जिला क्षेत्र
खैरथल - तिजारा जिला क्षेत्र
महेंद्रगढ़ - नारनौल जिला क्षेत्र
सीकर कोटा जयपुर अलवर
इन सभी शहरों से
स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, यूनिवर्सिटी व अन्य सभी शैक्षिक संस्थाएं
विद्यार्थी और अभिभावकों के आने जाने के लिए 50KM तक नि:शुल्क बस सुविधा
CAREER SUMMIT & EDUCATION FAIR - 2026
SHCOOL - COLLEGE - COACHINGS
BOARDING SCHOOL, UNIVERSITY, ABROAD ADMISSIONS

Free Online Registration Start FROM 11 March, 2026
www.CampusDarpan.com
+91 94611 24365
3000+ Students | 50+ Campus | 3 Days | 08:00AM to 07:00PM
Expo Area: 15,000+ Sq. Ft HALL, 2,500+ Sq. Ft. Conference Area, VIP Lounge
Advertisement Campaign Area: In 80 Km Dia. 1100 Village, 22 City/Towns
19 Tehsil, 4 Districts, 2 State. Shuttle Service: up to 50 Km. (8 Direction)

EDUCATION FAIR 2026
CAREER MIRROR SUMMIT 2026-1
कक्षा 5 से कॉलेज तक के सभी विद्यार्थी व अभिभावकों के लिए
Coachings : Sainik, Militry, Navodaya Vidyalaya
NEET, IIT-JEE, JET, NDA. & Boarding School, Para Medical
Pharmacy Colleges, Journalism & Mass Comm,
Fashion/ Film & Acting Schools, Sports Academy.
हर संस्था के कैंपस की पूरी जानकारी एक ही जगह पर उपलब्ध
विद्यार्थियों के लिए विज्ञानं एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता
नकद पुरस्कार जीतने का अवसर
Magazine CAMPUS DARPAN
सेमिनार : रोजाना 1-1 घंटे के 8 सत्र
- करिअर पर चर्चा, - कहाँ एडमिशन लें
- किस क्षेत्र में करिअर के क्या अवसर हैं
- मेले में विज्ञान प्रतियोगिता - नकद पुरस्कार
और भी बहुत कुछ पाने का अवसर .
तीन दिन
50 + संस्थाएं
20+ सेमिनार
+91 94611 24365 | office@bexpo.org | www.BeXpo.org
Organiser: BUSINESS EXPO ORGANIZATION Pvt. Ltd., Reg. Office: Z-181, Jaipur Greens, Ajmer Road, Jaipur RAJ. - 302 026
Media Partner: CAREER MIRROR, NH 48, Choraha, Chaudhary Complex, BEHROR, Kotputli-Behror, Rajasthan, 301 701,

मुख्य कार्यालय +91 94611 24365

"**करिअर मिरर**" समाचार पत्र में समाचार व विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए हमारे **मुख्य कार्यालय** का पता: "**करिअर मिरर**" समाचार पत्र, प्रथम तल, चौधरी कॉपलेक्स, NH 48 चौराहा, **बहरोड़** (अलवर) राज. पिन - 301 701, आप ऑफिस पर **094611 24365** (मोबाईल व व्हाटसएप), newsdesk@CareerMirror.co.in ईमेल के माध्यम से भी सम्पर्क कर सकते है।
न्यूज कार्यालय पता: जयपुर: 93141 41449 राजेन्द्र सिंह, **कोटपूतली:** 9461124365 पंकज शर्मा, **बहरोड़:** 94620 35020 बालकिशन सैनी, **नारनौल:** 8053710016 नितेश यादव, **रेवाड़ी:** 98290 46440 जसवन्त भार्गव, **महेन्द्रगढ़ (कोसली) :** 98134 60150 ओमप्रकाश डाबला, **अटेली मंडी:** 94166 77528 विनोद शर्मा।

सूचना/अस्वीकरण: यद्यपि समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री के सम्बन्ध में पूर्ण सावधानी रखी गई है। पाठकों की सहायता के लिए सरल रूप में सूचनाओं का प्रकाशन किया गया है, और पाठकों को सलाह दी जाती है कि प्रकाशित जानकारी का प्रयोग करने से पूर्व मूल स्रोत से जानकारी को सत्यापित करें। प्रकाशित सामग्री में किसी प्रकार की त्रुटि के लिए समाचार पत्र किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्राधिकार केवल बहरोड़ (अलवर) राज. ही होगा।

आवश्यकता

समस्त विद्यायल के लिए स्टाफ पीजीटी: फीजिक्स, कैमिस्ट्री, ज्यूलोजी, मैथमैटिक्स, कम्प्यूटर विज्ञान, सोशल साईन्स, ज्योग्राफी, अंग्रेजी, हिन्दी, संगीत।
गैर शैक्षिक स्टाफ: लिपिक, आफिस सहायक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, विद्यालय सहायक स्टाफ, सफाई कर्मी, सहायक कर्मचारी (चपडासी), माली, चौकीदार। अपना बायोडटा आनलाईन भेजें। **eMail: career@careermirror.co.in**

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अन्जय यादव द्वारा ग्राम कारोडा, तहसील बहरोड़, जिला-अलवर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं रवि प्रिंटर्स, रोड़ नं. 2 SBI के नजदीक, अलवर (राजस्थान) से मुद्रित। संपादक: अन्जय यादव, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।